मत्स्य पालकों की आय दुगुनी करने के लिए उत्तम प्रबंधन प्रणाली पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम **"मत्स्य पालकों की आय दुगुनी करने के लिए उत्तम प्रबंधन प्रणाली"** पर आयोजित किया गया। जो कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एन.एफ.डी.बी.) द्वारा पोषित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन बेहतर मछली उत्पादन के लिए रोग प्रबंधन अभ्यास डॉ. माधुरी शर्मा एवं श्री मुकेश कुमार द्वारा दिया गया। श्री डी. के. झारिया द्वारा मध्य प्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। इसके साथ ही तकनीकी एवं प्रायोगिक जानकारी के लिए प्रतिभागियों को रांझी, गोकलपुर तालाब में भ्रमण करवाया गया। इसके पश्चात तृतीय दिवस पर मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए जल एवं मिट्टी की गुणवत्ता का प्रबंधन डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा एवं डॉ. सोना दुबे द्वारा तथा उसके पश्चात संगठित मत्स्य पालन के लिए पूर्व एवं बाद का प्रबंधन प्रायोगिक डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा उसके पश्चात मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए आहार प्रबंधन विषय पर डॉ. प्रीति मिश्रा द्वारा व्याख्यान हुए। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. एम.के. अग्निहोत्री, सी.ओ.ई. एवं पूर्व ए.डी.जी. (एच.आर.डी.), आई. सी.ए.आर. ने कार्यक्रम के समापन समारोह में कहा "मत्स्य पालन के क्षेत्र की प्रमुखता सबसे ऊपर पहुँच रही है" जिससे मछली पालन देश में उच्च स्थान प्राप्ति की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) सीता प्रसाद तिवारी जी के मुख्य आतिथ्य में उनकी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से आयोजित किया गया। माननीय कुलपति द्वारा कहा गया कि कार्यक्रम के द्वारा किसानों को तकनीकी शिक्षा प्रदान की गयी जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके और साथ-साथ इस प्रशिक्षण से किसान पारम्परिक मत्स्य पालन के साथ नई तकनीकों का पालन में समावेश करके अधिक से अधिक मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण से किसानों को काफी फायदा मिलेगा। जिससे वे अपनी आय में वृद्धि कर सकते

हैं। कार्यक्रम के समापन में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता संकाय एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.पी.एस. बघेल द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। अतिथियों का आभार प्रदर्शन डॉ. प्रीति मिश्रा द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जबलपुर जिले के विभिन्न हिस्सों से आये हुये लगभग 26 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानो के लिए काफी सारगर्भित रहा। जिसे किसान भी उसे अपने रोजगार के रूप में अपना सकते है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष सहयोग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के शिक्षण सहयोगियों श्री शिव मोहन सिंह, श्री मुकेश कुमार, मिस शिवानी पाठक, मिस प्रियंका गौतम, श्री सुजीत रॉय, श्री प्रतीक तिवारी एवं महाविद्यालय के समस्त कर्मचारीगणों का रहा । कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा, सह-प्राध्यापक एवं सह-समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा, सहायक प्राध्यापक रहीं ।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर